अनुवर्ती कार्य

- **समानार्थी शब्द नाटक में ढूँढ़ें**-സമാനാർത്ഥമുള്ള വാക്ക് നാടകത്തിൽനിന്ന് തെരഞ്ഞെടുക്കാം.

दृश्य - 1

जनयात्रा - जुलूस, विरुद्ध - खिलाफ़

विक्रय - बिक्री, शासक- हाकिम

चिंता - परवाह, निर्दय- जल्लाद

दृश्य - 2

आज्ञा - हुक्म, वाणी - स्वर

प्रकार - किस्म, लक्ष्य - मक़सद

पालन - तामील, इच्छा - मंशा

केवल - महज़, देश - कौम

हानि - नुकसान, विषाद - मलाल, सहन - बरदाश्त

दृश्य - 3

घायल - जख्मी, अंत - आखिर

दृश्य - 4

पास - नज़दीक, धीरे - आहिस्ता

कुशल - खैरियत, ओजपूर्ण- जोशीला

♦ **निम्नलिखित कथन किस पात्र का है?**
താഴെ തന്നിരിക്കുന്നവ ഏത് കഥാപാത്രമാണ് പറഞ്ഞിരിക്കുന്നത്.

- हमारा हुक्म क्या आपको सुनाई नहीं पड़ा?

बीरबल सिंह

- जुलूस निकालने से स्वराज मिल जाता तो कब का मिल गया होता?

दीनदयाल

- हमारा बड़ा आदमी तो वही है जो लंगोटी बाँधे नंगे पाँव घूमता है।

मैकू

- एक दिन तो मरना ही है, जो कुछ होना हैं हो।

शंभुनाथ

- मर तो हम लोग रहे जिनकी रोटियों का ठिकाना नहीं।

मैकू

- हमारा मकसद इससे कहीं ऊँचा है।

इब्राहिम अली।